IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

''माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन''

डॉ0 (श्रीमती) कमला देवी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम0एड0, पीएच.डी)
शिक्षा संकाय
एफ0एस0 विश्वविद्यालय शिकोहाबाद, फिरोजाबाद (उ0प्र0)

सार : बालक जन्म से ही अपने परिवार में रहकर सीखता है, माता–पिता तथा अन्य परिवारीजनों के साथ उसकी शैक्षिक, सामाजिक तथा अन्य प्रकार की अंतःक्रियायें होती है। प्रत्येक माता–पिता चाहते हैं, कि उनका बालक उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करे, किन्तु वे बालक की बुद्विलब्धि, अपने सत्प्रयास, उचित व आवश्यक शैक्षिक विनियोग, शैक्षिक पर्यावरण आदि महत्वपूर्ण तथ्यों को भूल जाते हैं। यदि माता–पिता सीमित साधन होते हुए भी अपने बालकों को सही दिशा में प्रोत्साहित करें, तो उनके बालक अच्छी शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त कर सकेंगे। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु चयनित शोध समस्या निम्नवत् है– ''माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।'' प्रस्तुत शोध पत्र में डॉ0 आर0आर0 शर्मा (गढ़वाल) की P.E.S. का प्रयोग किया गया है। इस P.E.S. की विश्वसनीयता 0.83 पायी गयी। इसकी Content Validity भी पर्याप्त रूप से वैद्य है, जो विद्यार्थियों के लिये सूचना देने के अनुरूप सुगम एवं सहज है। शोधकर्त्री द्वारा जनपद एटा के पॉच इण्टरमीडिएट कॉलेज जो C.B.S.E. से मान्यता प्राप्त हैं, में अध्ययनरत् 500 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया। उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया, तथा प्रतिक्रियाओं को व्यवस्थित कर सह–सम्बन्ध निर्धारित किया गया। इस शोध कार्य में शैक्षिक उपलब्धि एक महत्वपूर्ण चर है। सांख्यिकीय विश्लेषण करने पर यह ज्ञात होता है, कि माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उत्कृष्ट एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जो कि शोध के उद्देश्य को पूरा करता है। माता–पिता का प्रोत्साहन बालक के लिये संजीवनी सिद्व हो सकता है, इसके लिये उन्हें कठोर अनुशासन और शून्य अनुशासन की मध्यवर्ती स्थिति को दृष्टिपथ में रखना होगा।

बीज शब्द : शैक्षिक उपलब्धि

शोध समस्या कथन

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु चयनित शोध समस्या निम्नवत् है– **''माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।''**

प्रमाणिक परीक्षण

प्रस्तुत शोध पत्र में डॉ0 आर0आर शर्मा (गढ़वाल) की P.E.S. का प्रयोग किया गया है। इस P.E.S. की विश्वसनीयता 0.83 पायी गयी। इसकी Content Validity भी पर्याप्त रूप से वैध है तथा Convergent Validity का सह–सम्बन्ध गुणांक 0.68 है। इसमें प्रश्नों की संख्या– 40 है, जो विद्यार्थियों के लिये सूचना देने के अनुरूप सुगम एवं सहज है।

निदर्श चयन

शोधकर्त्री द्वारा जनपद एटा के पॉच इण्टरमीडिएट कॉलेज जो सी0बी0एस0ई0 से मान्यता प्राप्त हैं, में अध्ययनरत् पॉच सौ (500) छात्र–छात्राओं का दैव निदर्शन की पद्धति द्वारा चयन किया गया। उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया तथा सूचनादाताओं द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाओं को व्यवस्थित कर उनके बीच सह–सम्बन्ध निर्धारित किया गया।

उद्देश्य एवं परिकल्पना

उद्देश्य :– माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।

परिकल्पना :– माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होता है।

विश्लेषण

सारणी क्रमांक–01

a) Descriptive Statstics for P.E.S. V/s Academic Achievement.

S.No.	Statistics	N=500	Variable	
			P.E.S.	Academic Achievement
1	Minimum		40	50
2	Maximum		77	94
3	Mean		66.66	79.26
4	Std. Dev.		7.035	9.522
5	Median		68	81
6	Mode		70	83
7	Percentile	25	64	74.72
		50	68	81
		75	71	86.3

सारणी क्रमांक–01

b) Correlation between PES & Academic Achievement.

N	Value of r	t. value	Prob.	Significance
500	0.884	42.199	0.0000	P<0.01

c) Frequency Distribution and Chi-square test - PES V/s Academic Achievement.

PES/Academic Achievment	<51	51-60	61-70	>70	Total
49-55	13	0	0	0	13
55.1-65	2	26	10	0	38
65.1-75	3	23	55	0	81
75.1 - 85	0	6	174	35	215
85.1 - 95	0	0	30	123	153
Total	18	55	269	158	500

d) Chi-square & Significance level.

Chi-Square	D.F.	Prob.	Significance	Inference
853.555	20	0.00000	P<0.01	Hyp. Rejected

इस शोधकार्य में शैक्षिक उपलब्धि एक महत्वपूर्ण चर है, परिकल्पना क्रमांक 1 माता–पिता के प्रोत्साहन का सम्बन्ध विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से सह–सम्बन्धित करती है।

माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन, करने के लिये प्राप्त ऑकड़ों का अध्ययन करने के लिये प्राप्त ऑकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है, कि 500 निदर्शित सूचनादाताओं के लिये PES V/s Academic Achievement के मध्य पीयर्सन सह–सम्बन्ध गुणांक का मान 0.884, t का मान 42.199 और प्रायिकता का मान 0.00000 है। यह मान 0.01 स्तर पर सार्थक है।

पुनश्च सारणी क्रमांक 1(c) व (d) की सांख्यिकीय विश्लेषणा करने पर 500 निदर्शित सूचनादाताओं के लिये काई वर्ग का मान 853.555 DF=20 तथा सम्भाविता शून्य है। 0.01 सार्थक स्तर पर यह मान दिये गये मान से कम है। अतः शोधार्थिनी की परिकल्पना क्रमांक 1 निरस्त होती है।

निष्कर्ष :–

माता–पिता के प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उत्कृष्ट एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सुझाव :–

जहॉ तक शैक्षिक उपलब्धि का प्रश्न है, माता–पिता का प्रोत्साहन बालक के लिये संजीवनी सिद्ध हो सकता है। प्रत्येक माता–पिता अपने बच्चों और पाल्यों को अच्छी शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए देखना चाहते हैं, लेकिन शिक्षित माता–पिता की तुलना में अशिक्षित या अल्प शिक्षित माता–पिता अपने बालकों को सही दिशा में प्रोत्साहित नहीं कर सकते। इसके लिये माता–पिता को बालक के शैक्षिक क्रिया कलापों पर दृष्टि रखनी होगी। इसके साथ ही माता–पिता को शैक्षिक उपलब्धि के लिये प्रोत्साहित करने के लिये कठोर अनुशासन और शून्य अनुशासन की मध्यवर्ती स्थिति को दृष्टिपथ में रखना होगा।

शोध संदर्भ :–

1. John. W. Best- Research in Education Page No. (102)

2. Brown C.W. - Scientific Method in Psychology (New York)

3. Dr. R.R. Sharma (Garhwal University, Sri Nagar)

4. George Methew - Classroom Behaviour of Teacher.